1/10/020

B.A. (Part - I)

THE FEDERAL RESERVE SYSTEM

संयुक्त राज्य अमेरिका का केंद्रिय बैंक 12 रिजर्व बैंकों की एक सम्मिलित प्रणाली है जिसे Federal Reserve System कहते हैं। इस प्रणाली की स्थापना अनेक आर्थिक संकटों के बाद 1913 ई० के एक अधिनियम के अनुसार हुई तथा 1914 ई० में इसने अपना कार्य आरम्भ किया। अमेरिका के फेडरल रिजर्व बैंक की प्रणाली में 12 फेडरल रिजर्व बैंक हैं। प्रत्येक फेडरल रिजर्व बैंक का कार्य एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित रहता है। इस उद्देश्य से संपूर्ण देश को 12 फेडरल रिजर्व डिस्ट्रिक्ट में विभाजित किया गया है और हर एक डिस्ट्रिक्ट में एक रिजर्व बैंक रहता है। इस समय इन 12 रिजर्व बैंकों की भी कई शाखाएँ हैं। इन रिजर्व बैंकों की पूँजी प्रत्येक क्षेत्र के सदस्य बैंकों द्वारा प्रदान की गई है। प्रत्येक सदस्य बैंक द्वारा उनकी कुल परिदत्त पूँजी एवं जमा के 3 प्रतिशत के बराबर पूँजी प्रदान की गई है। 30 अप्रैल 1963 ई० को फेडरल रिजर्व बैंक की कुल सम्पत्ति 54 बिलियन डॉलर थी। सदस्य बैंक इन बैंकों के एक-तिहाई भाग डाइरेक्टरों का भी चुनाव करते हैं और इस प्रकार रिजर्व बैंक की कार्य प्रणाली पर इनका आंशिक नियंत्रण भी रहता है। बैंक की कार्यवाही के संचालन

में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स का ही महत्वपूर्ण स्थान है।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त 7 सदस्य रहते हैं। इनकी नियुक्ति के संबंध में सीनेट की स्वीकृति अनिवार्य है। इनकी नियुक्ति 14 वर्षों के लिए की जाती है। इनमें एक चेयरमैन तथा एक उपचेयरमैन रहते हैं जिनकी नियुक्ति सीनेट की स्वीकृति से राष्ट्रपति 14 वर्षों के लिए करता है। इस केंद्रीय संस्था का देश की सम्पूर्ण बैंकिंग व्यवस्था पर नियंत्रण होता है। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स का प्रधान कार्यालय वाशिंगटन में है। बोर्ड निम्नांकित तीन प्रमुख कामों को सम्पन्न करता है:—

1. यह फेडरल रिजर्व बैंकों के केंद्रीय बैंकिंग सम्बन्धी कार्य को नियंत्रित करता है।

2. यह फेडरल रिजर्व बैंकों के संचालन की देख-रेख करता है।

3. सम्पूर्ण देश की वित्तीय कार्यों पर नियंत्रण रखता है।

फेडरल रिजर्व बैंक तथा बैंक ऑफ इंग्लैंड में अपने कुल लाभ में से

अधिक से अधिक 6 प्रतिशत हिस्सेदारों के बीच वितरित करते हैं। शेष लाभ में से कुछ फेडरल ट्रेजरी को दिया जाता है।

फेडरल रिजर्व बैंक तथा बैंक ऑफ इंगलैंड में अंतर :→ इस प्रकार फेडरल रिजर्व प्रणाली तथा बैंक ऑफ इंगलैंड में मह. कुछ महत्वपूर्ण अंतर हैं। सर्वप्रथम तो बैंक ऑफ इंगलैंड की सम्पूर्ण पूँजी अब सरकार की है जबकि फेडरल रिजर्व प्रणाली के अन्तर्गत प्रत्येक रिजर्व बैंक की पूँजी उस क्षेत्र-विशेष की सदस्य बैंकों द्वारा प्रदान की जाती है। फेडरल रिजर्व प्रणाली में बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की नियुक्ति एक बार में 14 वर्ष के लिए की जाती है जब कि बैंक ऑफ इंगलैंड के डायरेक्टर की नियुक्ति केवल एक बार में 14 वर्ष के लिए की जाती है जबकि बैंक ऑफ इंगलैंड की डायरेक्टर की नियुक्ति केवल 4 वर्षों के लिए ही की जाती है। बैंक ऑफ इंगलैंड पर फेडरल रिजर्व प्रणाली की अपेक्षा ट्रेजरी का नियंत्रण कुछ अधिक ही रहता है।

Scanned with CamScanner